



Jagriti

14 Jul 1992

10:15 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121488506

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 14/07/1992
दिन _____: मंगलवार
जन्म समय _____: 10:15:00 घंटे
इष्ट _____: 12:43:28 घटी
स्थान _____: Gaya
राज्य _____: Bihar
देश _____: India

अक्षांश _____: 24:48:00 उत्तर
रेखांश _____: 85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: 00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 10:25:00 घंटे
वेलान्तर _____: -00:05:50 घंटे
साम्पातिक काल _____: 05:54:13 घंटे
सूर्योदय _____: 05:09:36 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:41:48 घंटे
दिनमान _____: 13:32:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: वर्षा
सूर्य के अंश _____: 28:14:12 मिथुन
लग्न के अंश _____: 04:55:55 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: कन्या - बुध
राशि-स्वामी _____: धनु - गुरु
नक्षत्र-चरण _____: पूर्वाषाढा - 3
नक्षत्र स्वामी _____: शुक्र
योग _____: वैधृति
करण _____: विष्टि
गण _____: मनुष्य
योनि _____: वानर
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मूषक
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: फा-फाल्गुनी
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: कर्क

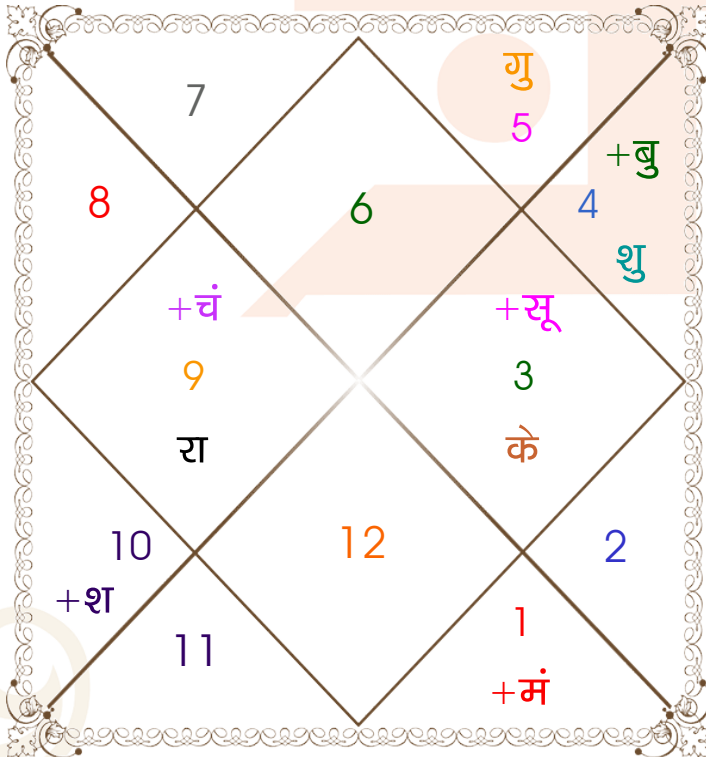
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	04:55:55	327:46:30	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			मिथु	28:14:12	00:57:12	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	सम राशि
चंद्र			धनु	21:37:45	12:01:55	पूर्वाषाढा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
मंगल			मेष	27:31:49	00:42:05	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	स्वराशि
बुध			कर्क	22:22:12	00:27:03	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	शत्रु राशि
गुरु			सिंह	18:07:04	00:10:20	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	06:38:01	01:13:46	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
शनि	व		मक	23:06:07	00:03:50	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	स्वराशि
राहु	व		धनु	06:55:49	00:01:11	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	06:55:49	00:01:11	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	22:01:18	00:02:24	पूर्वाषाढा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
नेप	व		धनु	23:41:21	00:01:37	पूर्वाषाढा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो	व		तुला	26:28:04	00:00:33	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
दशम भाव			मिथु	04:55:06	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	सूर्य	--

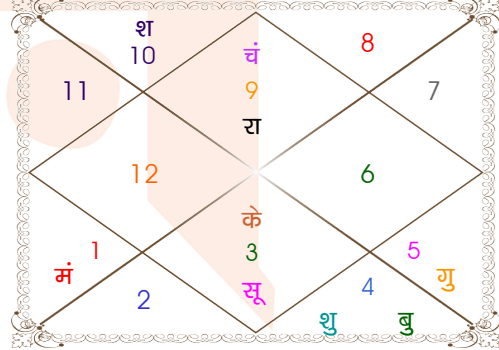
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:28

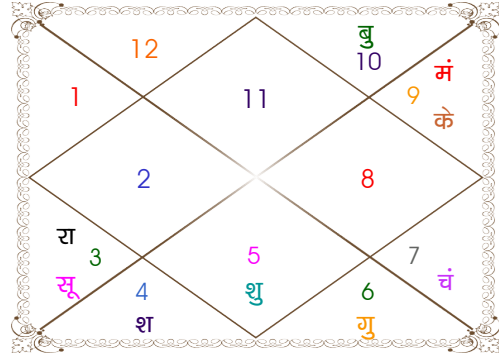
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 7 वर्ष 6 मास 20 दिन

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
14/07/1992	03/02/2000	02/02/2006	03/02/2016	03/02/2023
03/02/2000	02/02/2006	03/02/2016	03/02/2023	02/02/2041
00/00/0000	सूर्य 22/05/2000	चंद्र 04/12/2006	मंगल 01/07/2016	राहु 16/10/2025
00/00/0000	चंद्र 21/11/2000	मंगल 05/07/2007	राहु 19/07/2017	गुरु 10/03/2028
00/00/0000	मंगल 29/03/2001	राहु 03/01/2009	गुरु 25/06/2018	शनि 15/01/2031
00/00/0000	राहु 21/02/2002	गुरु 05/05/2010	शनि 04/08/2019	बुध 04/08/2033
14/07/1992	गुरु 10/12/2002	शनि 04/12/2011	बुध 31/07/2020	केतु 22/08/2034
गुरु 03/12/1992	शनि 22/11/2003	बुध 04/05/2013	केतु 28/12/2020	शुक्र 22/08/2037
शनि 03/02/1996	बुध 27/09/2004	केतु 03/12/2013	शुक्र 27/02/2022	सूर्य 17/07/2038
बुध 04/12/1998	केतु 02/02/2005	शुक्र 04/08/2015	सूर्य 05/07/2022	चंद्र 16/01/2040
केतु 03/02/2000	शुक्र 02/02/2006	सूर्य 03/02/2016	चंद्र 03/02/2023	मंगल 02/02/2041

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
02/02/2041	02/02/2057	03/02/2076	02/02/2093	03/02/2100
02/02/2057	03/02/2076	02/02/2093	03/02/2100	00/00/0000
गुरु 23/03/2043	शनि 06/02/2060	बुध 01/07/2078	केतु 01/07/2093	शुक्र 05/06/2103
शनि 04/10/2045	बुध 16/10/2062	केतु 29/06/2079	शुक्र 31/08/2094	सूर्य 05/06/2104
बुध 09/01/2048	केतु 25/11/2063	शुक्र 29/04/2082	सूर्य 06/01/2095	चंद्र 03/02/2106
केतु 15/12/2048	शुक्र 24/01/2067	सूर्य 05/03/2083	चंद्र 07/08/2095	मंगल 05/04/2107
शुक्र 16/08/2051	सूर्य 06/01/2068	चंद्र 03/08/2084	मंगल 03/01/2096	राहु 05/04/2110
सूर्य 04/06/2052	चंद्र 07/08/2069	मंगल 01/08/2085	राहु 21/01/2097	गुरु 15/07/2112
चंद्र 04/10/2053	मंगल 16/09/2070	राहु 18/02/2088	गुरु 28/12/2097	00/00/0000
मंगल 09/09/2054	राहु 23/07/2073	गुरु 26/05/2090	शनि 06/02/2099	00/00/0000
राहु 02/02/2057	गुरु 03/02/2076	शनि 02/02/2093	बुध 03/02/2100	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 7 वर्ष 6 मा 29 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेषकाण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृत्ति में धन संग्रह किया जाये, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृत्ति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्यों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझती हैं। वास्तव में भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकती हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेंगीं। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृत्ति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगी। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत योनि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगीं। आपको अपनी दुबले पतली शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगी। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत योनि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेंगे।

आप वणिक प्रवृत्ति की प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृत्ति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगीं। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगीं। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किंचित लाभंश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगीं। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगीं।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि की प्राणी है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगीं। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगीं। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रियात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगीं। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगीं संभाल सकेंगीं जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरुद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगीं कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत्त हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना,

अपने प्रेमी के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त पर पति का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपके एक अच्छे पति एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगी। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपनी अत्यधिक भोजन करने की प्रवृत्ति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करें। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करें।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।